राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान

(आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)

जोरावर सिंह गेट, आमेर रोड़, जयपुर 302002(राजस्थान)

पंचकर्म तकनीशियन पाठ्यक्रम में प्रवेश

संस्थान में **एक वर्षीय पंचकर्म तकनीशियन पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु** 5–1–2018 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं । समस्त विवरण संस्थान की वेब साईट www.nia.nic.in पर दी गई है । इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट को देख कर तदनुसार आवेदन करें ।

प्रो. संजीव शर्मा
निदेशक
8–12–2017

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान

पंचकर्म टेक्नीशियन सर्टीफिकेट कोर्स

शैक्षणिक विवरणिका 2018–19

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थानः–

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर की स्थापना 7.2.1976 में भारत सरकार द्वारा, देश में आयुर्वेद की शिक्षा, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टि से विकास के लिए एक शीर्षस्थ संस्थान के रूप में की गई थी। यह संस्थान आयुर्वेद के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी.एच. डी. स्तर की शिक्षा, चिकित्सा एवं अनुसंधान में कार्यरत है एवं राजस्थान आयुर्वेद विश्वविधालय से सम्बन्ध है। स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी.एच़.डी में प्रवेश, सम्पूर्ण भारत स्तर की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। संस्थान, आयुर्वेद में स्नातक, स्नातकोत्तर, पी.एच.डी. का डिग्री कोर्स एवं आयुर्वेद नर्सिंग – फार्मेसी का डिप्लोमा कोर्स भी चलाता है।

आयुर्वेदाचार्य (बी.ए.एम.एस.)का स्नातक स्तर का अध्ययन 5½ वर्ष की अवधि का है एवं 3 वर्ष की एम.डी/एम.एस की स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा आयुर्वेद के 14 विषयों जैसे अगदतंत्र, द्रव्यगुण, कायचिकित्सा, कौमारभृत्य, मौलिकसिद्वान्त, पंचकर्म , प्रसूति–स्त्री रोग, रोग एवं विकृति विज्ञान, रसशास्त्र, शरीर रचना, शरीर क्रिया, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र एवं स्वस्थवृत्त में उपलब्ध है। संस्थान में बहिरंग विभाग, प्राथमिक चिकित्सा इकाई से युक्त 300 शय्या का NABH प्रमाणित चिकित्सालय है। प्रतिदिन विविध पंचकर्म प्रक्रिया के लिए बडी सख्या में आने वाले रूग्णो के लिए पंचकर्म का एक विशिष्ट चिकित्सा केन्द्र स्थापित ह।

पंचकर्म विभाग से संलग्न विशिष्ट पंचकर्म चिकित्सा केन्द्र, नेत्र रोगो क लिए विशेष चिकित्सा केन्द्र, मधुमेह अनुर्जता इकाई, वृद्वावस्थाजन्य विकार, पथ्यनिर्धारण, शिशु स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए विशेषज्ञ से परामर्श एवं चिकित्सा केन्द्र संस्थान में उपलब्ध है।

पंचकर्म क्या है ?:–

पंचकर्म एक रोग निवारक, स्वास्थ्य वर्धक, स्वास्थ्य संरक्षक और शरीर को पुर्न–नवीनीकरण करने वाले गुणो के कारण अद्वितीय चिकित्सकीय कर्म है। अष्टांग आयुर्वेद में पंचकर्म की अपनी विशिष्टता है। आयुर्वेद का प्रमुख उद्देश्य शरीर को शुद्व करना व किसी भी प्रकार के विष को शरीर से दूर करना है।

पंचकर्म आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का आधार स्तम्भ है। पंचकर्म का मुख्य उद्देश्य शरीर से विषो को बाहर निकालना है। पंचकर्म तनाव व रोग को दूर करता है। यह एक सरल एवं समग्र शरीर शुद्धि का माध्यम है। बहुत सन्दर्भ में पंचकम को आकर्षक बना कर के लोगो का इस तरीके से गुमराह किया जा रहा है कि पंचकर्म केवल रिलेक्स की प्रकिया है। लोगो द्वारा कम समय में ज्यादा कमाने की प्रवृति से पंचकर्म की महत्व को कम किया जा रहा है। अनैतिक प्रैक्टिस रोकने के लिए एवं पंचकर्म को सुचारू रूप से करने के लिए राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी सहायको की मांग बढ रही है। पंचकर्म से सामुदायिक मानव मात्र के स्वास्थ्य के लक्ष्य की पूर्ति होने की वजह से इसकी वैश्विक स्वीकृति बढेगी। इसलिए एक अनुठा पंचकर्म तकनीकी प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का प्रारूप तैयार कर संस्थान में प्रारम्भ किया जा रहा है।

पाठ्यक्रम कार्य क्षेत्र –

ये पाठ्यक्रम अध्ययता को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित करने के लिए एवं पंचकर्म के सिद्धान्तो को गहराई से समझने से आत्मविश्वास पैदा करने में मददगार होगा। अभ्यार्थी इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद (टेक्निकल असिस्टेंट) तकनीकी सहायक का किसी आयुर्वेदिक हास्पिटल में, पंचकर्म सेन्टर में, हेल्थ रिर्सोट में, बेलनेस सेन्टर में, रिहेबिलेशन सेन्टर में काम का मौका मिलेगा।

जैसे जैसे आयुर्वेद की स्वीकृति वैश्विक स्तर पर बढती जा रही है, वैसे वैसे कुशल पंचकर्म सहायको की मांग भी बढती जा रही है।

प्रशिक्षण का लाभ–

अभ्यर्थी को बहुत अनुभवी व श्रेष्ठ संकाय के साथ साथ एक श्रेष्ठ संरचना में प्रशिक्षित होने का मौका मिलेगा। जो भी अभ्यर्थी यहां प्रशिक्षण प्राप्त करेगा, उसका प्रशिक्षण अन्य जगह पर होने वाले तकनीकी सहायको के प्रशिक्षण से विशेष होगा। पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद, अध्ययता को वैश्विक स्तर पर स्वीकृत एवं प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के द्वारा एक प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

पंचकर्म तकनीकज्ञ/प्रविधिज्ञ प्रमाण पत्र कोर्स में प्रवेश हेतुः–

प्रवेश हेतु योग्यता – किसी भी मान्यता प्राप्त राज्य बोर्ड/सी.बी.एस.ई./आई.सी.एस.ई या अन्य कोई भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त बोर्ड के किसी विद्यालय से किसी भी विषय में बारहवीं (10+2) उत्तीर्ण होना चाहिए।

आयु सीमा – अधिकतम 40 वर्ष अनुसूचित जाति/जनजाति/अपिव/दिव्यांग आदि को भारत सरकार के नियमानसार छुट दी जाएगी।

स्वास्थ्य स्थिति – उम्मीदवार शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना होना चाहिए।

पाठ्यक्रम अवधि – 1 वर्ष।

चयन प्रकिया – बारहवीं (10+2) में प्राप्त अंको के आधार पर।
काउन्सलिंग एवं स्वास्थ्य परिक्षण – काउन्सलिंग के लिए प्रारम्भिक स्तर पे चयनित उम्मीदवारों को अपने खर्च से एक निधारित तिथि व समय पर संस्थान में उपस्थित होना होगा। अभ्यर्थि को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए संस्थान द्वारा गठित मेडिकल बोर्ड कि प्रकिया से गुजरना होगा।

सूचना/निर्देश का माध्यम – अंग्रेजी एवं हिन्दी। (English & Hindi)

सीट – एक समूह में 30 विद्यार्थी ।

परीक्षा – संस्थान द्वारा वार्षिक व अनुपूरक परीक्षा (Annual & supplementary Exams) आयोजित कराई जाएंगी।

प्रमाण पत्र – लिखित परीक्षा आयोजित कराई जाएंगी जिसका निर्धारित समय 3 घण्टे प्रति परीक्षा होगा। लिखित व प्रायोगिक परीक्षा के न्यूनतम उत्तीर्ण अंक 50 प्रतिशत निर्धारित है। अनुपूरक परीक्षा 3 महिने बाद आयोजित कराई जाएगी। सफल अभ्यार्थियों को संस्थान द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

सामान्य नियम व शर्ते – राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा निर्धारिते दिशानिर्देशो का पालन करना होगा।

यूनिफार्म – सभी छात्र छात्राओ को सफेद यूनिफार्म पहननी होगी।

छात्र – सफेद पैंट–शर्ट।

छात्राए – सफेद सलवार कमीज

छात्रावास सुविधा – चयनित उम्मीदवारो को स्वयं अपने रहने की व्यवस्था करनी होगी।

आरक्षण –

1. भारत सरकार के नियमानुसार ।

कुल 30 सीट (Foreign-2, ST-2, SC-4, OBC-7, व सामान्य 15) और इनमें से एक सीट PH (OL) के लिए आरक्षित होगी। विदेशी अभ्यार्थी उपलब्ध नही होने पर दोनों सीट को आरक्षण रोस्टर अंक के आधार पर भारतीय अभ्यार्थी से भरा जाएगा।

2. आवेदन पत्र के साथ जाति प्रमाण पत्र सलंग्न न करने पर आवेदक को सामान्य श्रेणी में माना जाएगा। प्रमाण पत्र में किसी प्रकार की गलती पायी जाने पर उम्मीदवार की पात्रता निरस्त कर दी जाएगी और इसके बारे में किसी भी प्रकार का पत्राचार सस्थांन द्वारा नही किया जाएगा।

अनुसूचित जाति/जनजाति/अपिव. के उम्मीदवारो को काउन्सलिंग के समय पर निर्धारित प्रारूप में निर्दिष्ट प्राधिकारी के द्वारा हस्ताक्षरित मूल जाति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है।

आवेदन शुल्क (केवल बैंक डिमाण्ड ड्राफ्ट से देय)

सभी आवेदक आवेदन पत्र के साथ डिमाण्ड ड्राफ्ट (जनरल/ओबीसी के लिए 500 रू. एवं अनु. जाति/जनजाति के लिए 250 रू.) संलग्न करे। आवेदन शुल्क : डिमाण्ड ड्राफ्ट : **Director, National Institute of Ayurveda, Jaipur.** के नाम से जयपुर में देय होगा।

डिमाण्ड ड्राफ्ट के पीछे आवेदक को अपना नाम, जाति (जनरल/ओबीसी/अनु. जाति/जनजाति), एवं कोर्स जिसके लिए आपने आवेदन दिया है उसकी विगत भरनी होगी। दिया हुआ आवेदन शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापिस देय नही होगा।

पाठ्यक्रम हेतु शुल्क विवरण –

- भारतीय नागरिको के लिए (भारतीय रूपये) कुल शुल्क – 36000 रूपये।
- सार्क और विमस्टेक नागरिको – 36000 रूपये।
- अन्य विदेशी नागरिको (यू.एस. डालर में) – 1000 यू. एस. डालर।

प्रवेश के समय सम्पूर्ण राशि जमा करनी होगी।

आवेदन कैसे करें/आवेदन प्रत्र प्राप्त करने की अन्तिम तिथि :

आवेदक संस्थान की वेबसाइट पर दर्शाए गए आवेदन पत्र के फोर्मेट में या ए 4 साईज के कागज में उसी आवेदन पत्र के अनुसार स्वःहस्ताक्षरित कर सुवाच्य अक्षरो में आवेदन करे। संस्थान और किसी फोर्मेट या आवेदन पत्र को मान्य नही करेगा। सम्पूर्ण आवेदन पत्र सभी आवश्यक स्वप्रमाणित दस्तावेज, मार्कशीट, वय के आवश्यक प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता, भारत सरकार द्वारा मान्य जाति प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक प्रमाणपत्रों के साथ एक कवर में पंचकर्म टेक्नीशियन सर्टिफिकेट कोर्स –2018–19 लिख कर रजिस्टर एडी/स्पीड पोस्ट से अंतिम तारीख 5.1.2018 शुक्रवार कार्यालय समय तक या उसके पूर्व प्राप्त होने चाहिए। अन्तिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र किसी भी स्थिति मे स्वीकार नही किया जाएगा ।

पताः निदेशक,
राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान
माधव विलास पेलेस
जोरावर सिंह गेट
आमेर रोड
जयपुर – 302002 राज. भारत।

आवेदन पत्र में आवेदक के हस्ताक्षर आवश्यक है।

अयोग्य आवेदन पत्र : आवेदको को सूचित किया जाता है कि वे आवेदन पत्र भेजने से पहले सभी सूचनाओ को ध्यानपूर्वक पढे, अन्यथा निम्न लिखित एक या अधिक कारणो से आवेदन पत्र खारिज कर दिया जाएगा –

- अंतिम तारीख के बाद प्राप्त आवेदन पत्र।
- आवश्यक फोर्मेट में ना दिया आवेदन पत्र।
- उम्मीदवार के पास आवश्यक योग्यता नही हो।
- निर्धारित स्थान पर नवीनतम फोटो चिपकाये बिना आवेदन पत्र।
- बिना घोषणा के आवेदन पत्र।
- बिना हस्ताक्षर के आवेदन पत्र।
- बिना सहायक दस्तावेजो के आवेदन पत्र।
- किसी प्रकार के अपूर्ण/अस्पष्ट आवेदन पत्र।
- निर्धारित आवेदन शुल्क के बिना आवेदन (आवेदनानुसार)
- अन्य प्रारूप में आवेदन जो राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के द्वारा निर्धारित नही है।
- आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख (दिनांक)
- पूर्ण भरा हुआ आवदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान

पंचकर्म तकनीकज्ञ प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु आवेदन

स्वहस्ताक्षरित
नवीनतम पासपोर्ट
साइज फोटो

आवेदन शुल्क डी.डी. नं. _____ दिनांक _____ रू. _____

1. पूरा नाम _____

2. पिता/पति का नाम _____

3. जन्म तिथि एवं 1–1–2018 को आयु _____

4. पत्राचार के लिए पता मय पिन कोड़ _____

_____

_____

टेलीफोन नं., मोबाईल नं., ई–मेल _____

_____

5. वर्ग (सामान्य/अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व./शा.दिव्यांग) _____

6. शैक्षणिक योग्यता _____

उत्तीर्ण परीक्षा	विश्वविद्यालय/विद्यालय परिषद/संस्थान	उत्तीर्ण करने	विषय	श्रेणी/अंक प्रतिशत

8. आवेदन पत्र के साथ संलग्नकों की सूची **:**

घोषणा

मैं यह प्रमाणित करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त जानकारी सही एवं सत्य है । मुझे यह ज्ञात है कि असत्य या अनुचित जानकारी की स्थिति में मेरा आवेदन निरस्त हो जायेगा एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर मेरे विरूद्ध कानूनी या शासकीय कार्यवाही शुरू कर सकता है।

दिनांक

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर